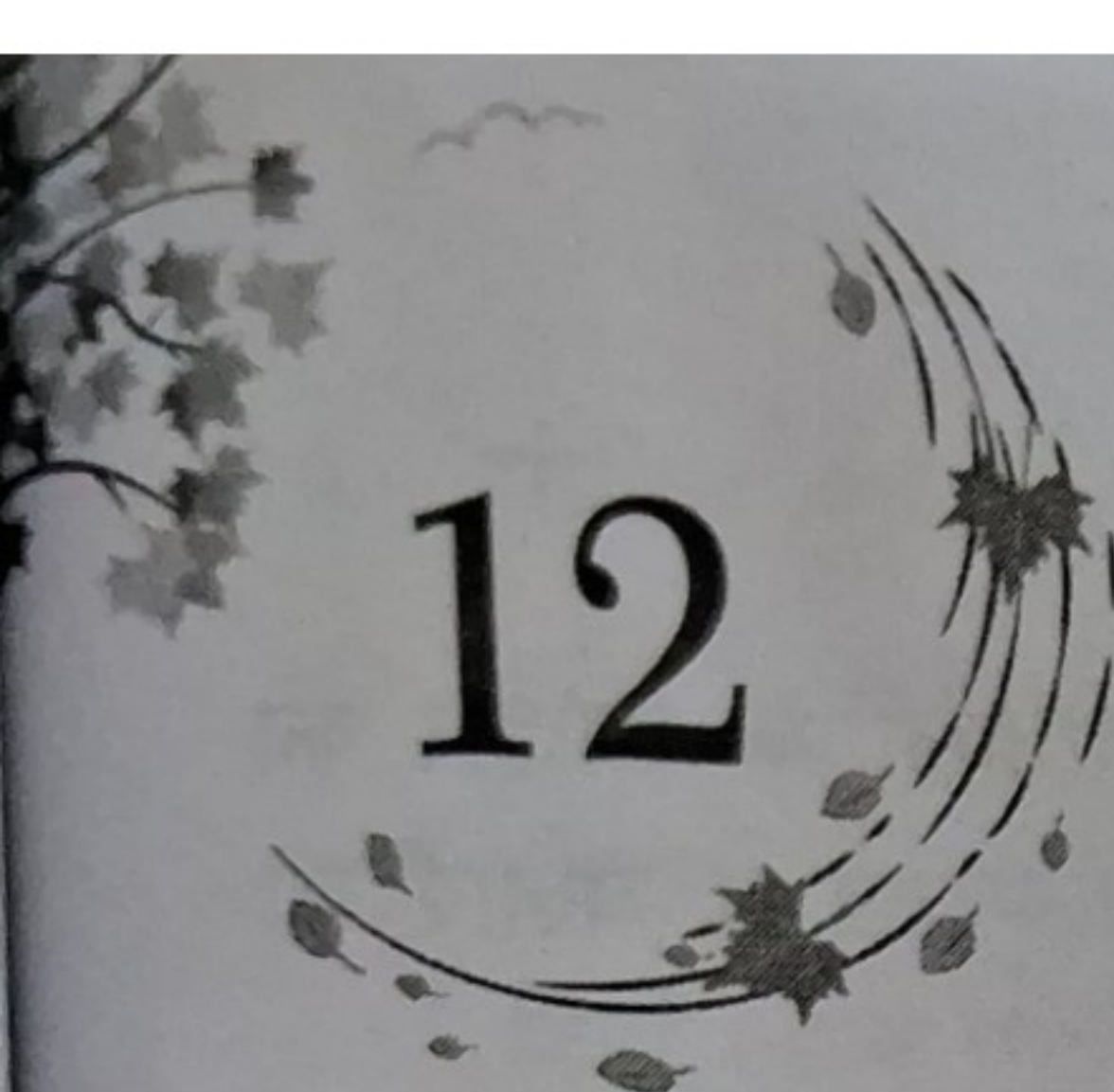




12

आसमान में जैसे तारे

स्वयं अपने विचार रखें।)

लिखिए

1. मिलान करके कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए—

जगमग-जगमग दीप जले हैं	→	आसमान में जैसे तारे
बल्बों की लड़ियाँ हैं लगतीं	→	सबमें बँटे प्रेम मिठाई
ऊँच-नीच का भेद मिटे सब	→	लगते देखो कितने न्यारे
मिल-जुलकर सब करें ठिठोली	→	घर-घर मिले प्यार बधाई

समझिए व्याकरण संबोध

1. कविता से समान तुकवाले शब्द छाँटकर लिखिए—

उपहार — "त्योहार"

न्यारे — "तारे"

बधाई — "मिठाई"

चलाएँ — "फैलाएँ"

2. दिए गए शब्दों के पर्यायवाची लिखिए—

उपहार — "भेंट"

त्योहार — "पर्व"

दीप — "दीपक"

आसमान — "आकाश"

अंधकार — "अँधेरा"

संदेश — "खबर"

3. वर्ण-विच्छेद कीजिए—

सुंदर — "स्" + "उ" + "न्" + "द्" + "अ" + "र्" + "अ"

त्योहार — "त्" + "य्" + "ओ" + "ह्" + "आ" + "र्" + "अ"

अंधकार — "अ" + "न्" + "ध्" + "अ" + "क्" + "आ" + "र्" + "अ"

वातावरण — "व्" + "आ" + "त्" + "आ" + "व्" + "अ" + "र्" + "अ" + "ण्" + "अ"

January

पाठ - 12 आसमान में जैसे तारे

कविता की पठन क्रिया करवाना

श्रुतलेखन शब्द

- | | | | |
|---|---------|-----|--------|
| 1 | सुंदर | क) | आदर |
| 2 | उपहार | 8) | दूषित |
| 3 | दीप | 9) | नूतन |
| 4 | अंधकार | 10) | संदेश |
| 5 | वातावरण | 11) | संसार |
| 6 | त्यौहार | 12) | जाग्रत |

शब्दार्थ

- | | |
|--------------------------|---------------------|
| 1. उपहार - तोहफा | 5. भेद - अंतर |
| 2. दीप - दीपक | 6. बधाई - मुबारकबाद |
| 3. न्यारा - सबसे अलग | 7. दूषित - बुरा |
| 4. लड़ी - पंक्ति, गुच्छा | 8. जाग्रत - जागरूक |
| | 9. नूतन - नया |

कुछ शब्दों में

प्र० ३ दीपों का त्यौहार क्या लेकर आया है ?

उत्तर दीपों का त्यौहार हँसी-खुशी लेकर आया है।

प्र० २ कवि ने सुंदर उपहार किसे कहा है ?

उत्तर कवि ने सुंदर उपहार दीपावली को कहा है।

प्र० ३ बल्बों की लड़ियों कैसी लग रही हैं ?

उत्तर बल्बों की लड़ियाँ आसमान में तारों के जैसी लग रही हैं।

प्र० ५ कवि कैसा आधार चाहता है ?

उत्तर कवि आदर-भाव का आधार चाहता है।

कुछ वाक्यों में

प्र० ३ दीवाली पर कैसे अंधकार को मिटाने की बात कही गई है ?

उत्तर दीवाली पर ऊँच-नीच के गैद का अंधकार मिटाने की बात कही गई है।

प्र० २ दीवाली पर सब मिलजुलकर क्या करते हैं ?

उत्तर दीवाली पर सब मिल-जुलकर हँसी-मजाक करते हैं और आपस में मिठाई बाँटते हैं।

03

कविता में कौन-सा संदेश फैलाने को कहा है?

तर

कविता में पर्यावरण दूषित न करने का संदेश फैलाने को कहा है। वास्तव - पटाखों का धुआँ प्रदूषण करता है। अतः इन्हें न चलाने का संदेश दिया है।